दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स झारखंड

जनवरी (संग्रह)

2022

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
फोन: 8750187501
ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

झारखंड **5**

- बीएसएल में अमोनियम सल्फेट प्लांट का उद्घाटन 5
- जमशेदपुर में क्लीन टू ग्रीन ऑन व्हील्स अभियान 5
- राजधानी में बनेगा विश्व व्यापार केंद्र 5
- डीआईसी ने बोकारो स्टील प्लांट में अमृत पार्क का उद्घाटन किया 6
- मुख्यमंत्री ने सात नए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन किया 6
- AVIG रोबोट 7
- बीएसएल में अत्याधुनिक पर्यावरण प्रयोगशाला का उद्घाटन 7
- गोला-ओरमांझी एक्सप्रेस-वे 8

नोट :

दृष्टि The Vision

- धनबाद को मिला दूसरा महिला थाना 8
- राँची के सांसद ने ग्रामीण छात्रों के लिये शुरू किया कंप्यूटर बैंक 8
- मुख्यमंत्री ने बोकारो अस्पताल में किया अत्याधुनिक प्राइम स्कैन इकोसिस्टम ऑफ मशीन का उद्घाटन 9
- ईएसएल के सीईओ ने किया सेफ्टी पार्क का उद्घाटन 9
- झारखंड कैबिनेट के महत्त्वपूर्ण निर्णय 10
- टाटा स्टील की उत्सर्जन कम करने के लिये 'दुनिया में अपनी तरह की पहली' सीबीएम इंजेक्शन पहल 11
- AISECT विश्वविद्यालय हज़ारीबाग का सर्वश्रेष्ठ निजी विश्वविद्यालय के रूप में सम्मानित 11
- झारखंड की सविता कुमारी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित 12
- मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 10 ज़िलों में 14 राईस मिल्स की आधारशिला रखी 12
- टाटा स्टील और झारखंड बैडमिंटन एसोसिएशन के बीच समझौता ज्ञापन 13
- झारखंड के गिरधारी राम गोंझू को पद्म पुरस्कार 13

नोट :

नोट :

झारखंड

बीएसएल में अमोनियम सल्फेट प्लांट का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में बीएसएल के कोक ओवन और बाय प्रोडक्ट ग्रुप के नए अमोनियम सल्फेट प्लांट का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक (परियोजना) आर. कुशवाहा और कार्यकारी निदेशक (वर्क्स) अतनु भौमिक ने किया।

प्रमुख बिंदु

- अमोनियम सल्फेट संयंत्र उप-उत्पाद समूह की एक महत्वपूर्ण इकाई है, जहाँ कोक ओवन गैस को संसाधित किया जाता है और अमोनियम सल्फेट बनाने के लिये अमोनिया को इससे अलग किया जाता है।
- बीएसएल का विपणन विभाग अमोनियम सल्फेट को बाज़ार में बेचता है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से कृषि कार्य में उर्वरक के रूप में किया जाता है।
- इस परियोजना को जीएम (प्रोजेक्ट्स) पंकज देव राय, डीजीएम (प्रोजेक्ट्स) असगर रजा, जीएम (प्रोजेक्ट्स) चंद्रशेखर आजाद, जीएम (प्रोजेक्ट्स) दीपक कुमार और कोक ओवन अधिकारियों और कर्मचारियों की मदद से पूरा किया गया।
- इस संयंत्र की गैस संचालन क्षमता 1 लाख अस्सी हज़ार एनएम क्यूबिक प्रति घंटा है।

जमशेदपुर में क्लीन टू ग्रीन ऑन व्हील्स अभियान

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में आरएलजी इंडिया ने जमशेदपुर के मानगो में 'क्लीन टू ग्रीन ऑन व्हील्स अभियान' शुरू किया है। यह नवीनतम जागरूकता और संग्रह कार्यक्रम देश भर में 110 शहरों और 300 कस्बों को कवर करते हुए 40 लाख से अधिक नागरिकों तक पहुंचेगा।

प्रमुख बिंदु

- इस पहल के तहत, नौ संग्रह वाहन देश के शहरों और कस्बों में यात्रा करेंगे तथा जागरूकता गतिविधियों का संचालन करते हुए स्कूली छात्रों, कॉर्पोरेट निकायों, थोक उपभोक्ताओं, खुदरा विक्रेताओं, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के सदस्यों, अनौपचारिक क्षेत्र और स्वास्थ्य शिविरों के लिये चलेंगे। यह उपयोगकर्त्ताओं से 5500 मीट्रिक टन ई-कचरा एकत्र करेगा।
- आरएलजी इंडिया की प्रबंध निदेशक राधिका कालिया ने कहा क्लीन टू ग्रीन ऑन व्हील्स अभियान हितधारकों की पहुँच का विस्तार करके और दैनिक जीवन में ई-कचरे के उचित निपटान एवं रीसाइक्लिंग तकनीकों पर ज़ोर तथा बढ़ावा देकर उद्देश्य की पूर्ति करना जारी रखेगा। यह पूरे देश को अपने दायरे में लाने के लिये प्रारंभ किया गया है।
- यह अभियान आरएलजी इंडिया माइक्रोसॉफ्ट, एलजी, एचपी, ओप्पो, लेनोवो, पायनियर, मोटोरोला, फुजित्सु, ब्रदर, सीमेंस, हायर, वीडियोजेट, वीरा आदि निर्माताओं/ब्रांडों के साथ मिलकर ई-कचरे के सुरक्षित निपटान को बढ़ावा देने के लिये सक्रिय रूप से काम करेगा।

राजधानी में बनेगा विश्व व्यापार केंद्र

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में झारखंड की राजधानी राँची के धुरवा स्थित स्मार्ट सिटी क्षेत्र में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर बनाने के लिये झारखंड अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (JUIDCO) ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किया है।

प्रमुख बिंदु

- चार एकड़ ज़मीन पर बनने वाले इस केंद्र पर कुल 44 करोड़ 22 लाख रुपए खर्च किये जाएंगे। इसके लिये निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 19 जनवरी निर्धारित की गई है।
- 20 जनवरी को रातू रोड स्थित उद्योग भवन की पांचवी मंजिल पर इसका उद्घाटन होगा। टेंडरिंग एजेंसी को दो साल के अंदर इस केंद्र का निर्माणकार्य पूरा करना होगा।
- वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के परिसर में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से जुड़ी सभी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। इसमें विदेश व्यापार महानिदेशालय का एक क्षेत्रीय कार्यालय और भारतीय निर्यात संघ से जुड़े कार्यालय भी होंगे।
- इसके अलावा आयात-निर्यात से जुड़ी कंपनियों को जगह मुहैया कराई जाएगी। करेंसी एक्सचेंज से लेकर मनी ट्रांसफर तक की सुविधाएँ भी यहाँ मिल सकेंगी।
- इसके अलावा एयर कार्गो, शिप कंटेनर और एक्सपोर्ट मैनेजमेंट की अन्य सुविधाएँ भी मिलेंगी। यहाँ अंतर्राष्ट्रीय कारोबार करने वाली कंपनियों को भी अपने उत्पादों के प्रदर्शन और प्रचार के लिये जगह मिलेगी।
- विदित हो कि यह वर्ल्ड ट्रेड सेंटर केंद्र और राज्य, दोनों के सहयोग से बनाया जाना है। विश्व व्यापार केंद्र की स्थापना के लिये केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को 9.8 करोड़ रुपए दिये हैं। योजना की कुल लागत 48 करोड़ रुपए है।
- उल्लेखनीय है कि 2018 में ही केंद्र सरकार ने राँची में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर खोलने की योजना को मंज़ूरी दी थी।

डीआईसी ने बोकारो स्टील प्लांट में अमृत पार्क का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों?

- 5 जनवरी, 2022 को बीएसएल निदेशक प्रभारी अमरेंदु प्रकाश ने बोकारो स्टील प्लांट में ईडी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में अमृत पार्क का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- यह संयंत्र में अपशिष्ट-स्क्रैप सामग्री का उपयोग करके बीएसएल के एचआरसीएफ (हॉट रोल्ड कॉइल फिनिशिंग) विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा विकसित किया गया है।
- इसे आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह (स्वतंत्रता के 75वें वर्ष) के हिस्से के रूप में विकसित किया गया है।
- डीआईसी निदेशक ने बताया कि यह न केवल संयंत्र में विभिन्न दुकानों और विभागों में हाउसकीपिंग में सुधार करेगा, बल्कि सौंदर्य की दृष्टि से भी आकर्षक होगा, जहाँ कर्मचारी अपने अवकाश के दौरान आराम कर सकते हैं।
- उन्होंने अन्य दुकानों और विभागों को भी प्लांट में वेस्ट मैटेरियल का इस्तेमाल कर इसी तरह के पार्क विकसित करने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने सात नए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों?

- 12 जनवरी, 2022 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पाथ ऑर्गनाइज़ेशन के सहयोग से राज्य के विभिन्न अस्पतालों में सात नए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का ऑनलाइन उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- पाथ संगठन के सहयोग से राँची के सदर अस्पताल में दो, जमशेदपुर के मर्सी अस्पताल में एक और चाकुलिया (पूर्वी सिंहभूम) तथा कुचाई (सरायकेला-खरसावां) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक-एक पीएसए ऑक्सीजन प्लांट अधिष्ठापित किये गए हैं।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने के प्रयास में प्रखंड से लेकर ज़िला स्तर तक स्वास्थ्य से संबंधित आधारभूत संरचना को मज़बूत किया जा रहा है, ताकि लोगों को उनके घर से निकटवर्ती अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर चिकित्सीय लाभ मिल सके।

नोट :

- उन्होंने कहा कि आज हर ज़िले में पीएसए प्लांट अधिष्ठापित किये जा चुके हैं। कोरोना की जाँच के लिये आरटीपीसीआर और अत्याधुनिक कोबास मशीन भी उपलब्ध हैं।
- अस्पतालों में लगभग 25 हज़ार बेड उपलब्ध हैं। अब राज्य में ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड, आईसीयू और वेंटीलेटर की पर्याप्त उपलब्धता है।

AVIG रोबोट

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में झारखंड के धनबाद ज़िले के निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर सस्वयम पी रंजन ने लगभग दो साल की मेहनत के बाद एक AVIG नामक रोबोट तैयार किया है, जो घर, कार्यालय, मॉल-दुकान से चंद सेकेंड में कोरोना और अन्य वैरिएंट्स के वायरस को डिएक्टिवेट, यानी निष्क्रिय कर देगा। इससे संक्रमण फैलने का खतरा ज़ीरो फीसदी हो सकता है।

प्रमुख बिंदु

- अगर किसी बंद स्थान पर जाने-अनजाने में कोरोना संक्रमित व्यक्ति पहुँचता है, तो उससे ये संक्रमण दूसरे तक पहुँचने का खतरा होता है। इस स्थिति में AVIG रोबोट का सीमित क्षेत्र में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- यह रोबोट उस जगह पर मौजूद हानिकारक वायरस, बैक्टरिया को निष्क्रिय कर देगा। यह रोबोट एंड्रॉयड फोन से ऑपरेट होने वाले वाईफाई के नेटवर्क पर काम करता है, जो अपने छोटे-छोटे छोटे पहियों से घूमकर अल्ट्रावायलेट-रे के प्रभाव से माजूद बैक्टीरिया, जर्म्स को निष्क्रिय कर देता है।
- इस रोबोट को फैक्ट्री के प्रोडक्शन फ्लोर, कॉर्पोरेट ऑफिस, हॉस्पिटल, एयरपोर्ट, मेट्रो, कमर्शियल मॉल, स्कूल, ट्यूशन हॉल, होटल, रेलवे वेटिंग हॉल, बैंक, रेस्टोरेंट, प्रार्थना हॉल, दुकान, स्टोर, पार्लर, कम्युनिटी सेंटर, घर-बंगला, अपार्टमेंट जैसे सैकड़ों स्थान पर इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

बीएसएल में अत्याधुनिक पर्यावरण प्रयोगशाला का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

- 15 जनवरी, 2022 को बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (संकार्य), अतनु भौमिक ने बोकारो स्टील प्लांट की नई पुनर्निर्मित हाईटेक पर्यावरण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार बनी यह प्रयोगशाला नवीनतम तकनीकों और संयंत्र की विभिन्न इकाइयों की पर्यावरणीय पैरामीटर निगरानी के लिये आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें एफ्लुएंट पैरामीटर मॉनिटरिंग, स्टैक उत्सर्जन निगरानी, कार्य क्षेत्र वायु गुणवत्ता निगरानी और शोर निगरानी शामिल हैं।
- प्रयोगशाला टाउनशिप और बोकारो जनरल अस्पताल की पर्यावरण निगरानी आवश्यकताओं को भी पूरा करेगी। प्रयोगशाला में पीने के पानी के विभिन्न मापदंडों की जाँच और निगरानी करने की सुविधा है।
- इसके साथ ही यह अत्याधुनिक तकनीकों, जैसे- स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, स्टैक एमिशन किट, गैस एनालाइजर, बीओडी इनक्यूबेटर, वर्क-ज़ोन वायु गुणवत्ता मॉनिटर, पीएच मीटर, टीडीएस मीटर, नॉइस मॉनिटर और हैक निर्मित मल्टी-पैरामीटर मापने के उपकरण से लैस है।
- इसके अलावा प्रयोगशाला 5एस और आईएसओ 14001 प्रमाणित है। इस प्रयोगशाला का नवीनीकरण महाप्रबंधक (पर्यावरण नियंत्रण) एन. पी. श्रीवास्तव के नेतृत्व में पर्यावरण नियंत्रण विभाग की टीम द्वारा किया गया है।

गोला-ओरमांझी एक्सप्रेस-वे

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी एस. के. मिश्रा ने बताया कि बोकारो से गोला-ओरमांझी एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिये जल्द ही एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- मिश्रा ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने अपनी सारी प्रक्रिया पूरी कर भारत सरकार को भेज दी है। जल्द ही इसके निर्माण का टेंडर नई दिल्ली स्थित एनएचएआई मुख्यालय द्वारा जारी किया जाएगा।
- बोकारो से गोला और गोला से ओरमांझी तक सड़क बनाने में करीब 1700 करोड़ रुपए खर्च होंगे। दोनों खंडों के लिये अलग-अलग पैकेज में निविदा जारी की जाएगी।
- यह राज्य का पहला वास्तविक एक्सप्रेस-वे होगा, जो वर्तमान ओरमांझी-सिकीदरी-गोला, बोकारो रोड के आसपास होगा, लेकिन पूरी तरह से अलग होगा। इस पर ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट के तहत काम किया जा रहा है।
- इस महत्त्वपूर्ण एक्सप्रेस-वे को बनाने के लिये एनएचएआई ने कार्ययोजना तैयार की है। ओरमांझी, राँची में पुडांग टोल प्लाजा से करीब एक किमी पहले यह सड़क सिकीदरी-गोला की ओर निकलकर सिकीदरी रोड से भी जुड़ेगी।
- इस सड़क का निर्माण बोकारो में जैनमोर के पास से किया जाएगा, जो गोला की ओर जाएगी। रोड में सर्विस लेन भी बनेगी। इस सड़क पर बड़े मालवाहक वाहनों के चालकों के लिये विश्राम गृह भी बनाए जाएंगे। एक्सप्रेस-वे के बनने से भारी वाहन चालकों के साथ-साथ निजी वाहन लेने वालों को भी बेहतर सड़क पर चलने का विकल्प मिलेगा।
- इससे ओरमांझी, सिकीदरी-गोला-बोकारो मार्ग पर वाहनों का बोझ भी कम होगा तथा लोग टोल देकर अच्छी सड़क पर यात्रा कर सकेंगे।

धनबाद को मिला दूसरा महिला थाना

चर्चा में क्यों ?

- 16 जनवरी, 2022 को धनबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजीव कुमार ने बाघमारा प्रखंड के तिलटांड इलाके में ज़िले के दूसरे महिला पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया। ज़िले के सदर थाना परिसर में एक महिला थाना पहले से ही कार्यरत् है।

प्रमुख बिंदु

- एसएसपी ने कहा कि 2016 से इस थाना को स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा था। नया महिला पुलिस स्टेशन महिलाओं और उनके परिवार के सदस्यों को अत्याचारों के बारे में बिना किसी झिझक के शिकायत करने में मदद करेगा, क्योंकि प्रभारी अधिकारी एक महिला पुलिस अधिकारी होगी।
- सोनिका वर्मा को इस थाने का पहला प्रभारी नियुक्त किया गया है। मीडिया से बात करते हुए सोनिका वर्मा ने कहा कि अब कोई भी महिला पीड़ित होने पर सीधे थाने में मदद के लिये आ सकती है।
- यह पुलिस स्टेशन पूरे बाघमारा पुलिस सब डिवीज़न में रहने वाली आबादी को आच्छादित करेगा।

राँची के सांसद ने ग्रामीण छात्रों के लिये शुरू किया कंप्यूटर बैंक

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में राँची के बीजेपी सांसद संजय सेठ ने ग्रामीण छात्रों को कंप्यूटर साक्षर बनाने के लिये बुक बैंक की तर्ज़ पर कंप्यूटर बैंक शुरू किया है।

प्रमुख बिंदु

- सांसद ने कहा कि वह पुराने कंप्यूटर और लैपटॉप इकटॅा कर रहे हैं, जिनका लोग इस्तेमाल नहीं करते हैं। एकत्र किये गए अप्रयुक्त कंप्यूटर और लैपटॉप ग्रामीण छात्रों को उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे भी कंप्यूटर साक्षर हो सकें।
- उन्होंने कहा कि महामारी के समय में जब अधिकांश शिक्षण संस्थान बंद हैं और शिक्षा के ऑनलाइन मोड में चले गए हैं, ऐसे में छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिये ये कंप्यूटर बहुत मददगार होंगे।
- यह लैपटॉप ग्रामीण क्षेत्रों के ऐसे स्कूलों को दिया जाएगा, जहाँ बच्चे कंप्यूटर की शिक्षा ले रहे हैं, लेकिन उनके पास कंप्यूटर नहीं है। सांसद ने समाज के सभी वर्गों के लोगों से इन प्रयासों में मदद करने का आग्रह किया है।
- उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के उन्नयन से लोग पुराने कंप्यूटरों का उपयोग नहीं कर रहे हैं। ये कंप्यूटर जो कार्यात्मक हैं, लेकिन उपयोग में नहीं हैं, ऐसे छात्रों के लिये बहुत उपयोगी हो सकते हैं, जो कंप्यूटर सीखने में रुचि रखते हैं।
- उल्लेखनीय है कि कंप्यूटर बैंक के शुभारंभ से कुछ महीने पहले ही सांसद ने अरगोड़ा में अपने कार्यालय में ग्रामीण वंचित छात्रों के लिये एक बुक बैंक लॉन्च किया था। बुक बैंक में राँची और उसके आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से दान की गई विभिन्न विषयों की किताबें हैं, जिनमें ज़्यादातर स्कूल और इंटरमीडिएट स्तर की किताबें हैं।

मुख्यमंत्री ने बोकारो अस्पताल में किया अत्याधुनिक प्राइम स्कैन इकोसिस्टम ऑफ मशीन का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

- 18 जनवरी, 2022 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वर्चुअल माध्यम से दंत अस्पताल, बोकारो में अत्याधुनिक प्राइम स्कैन इकोसिस्टम ऑफ मशीन का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड जैसे राज्य में दंत चिकित्सा के क्षेत्र में यह अत्याधुनिक मशीन लगाना गर्व की बात है। इससे दाँतों से जुड़े सभी रोग पूरी तरह ठीक हो जाएंगे। यहाँ के लोगों को दाँतों की बीमारियों के लिये बड़े शहरों के बड़े अस्पतालों में नहीं जाना पड़ेगा।
- इस मौके पर अस्पताल के संचालकों ने बताया कि झारखंड और बिहार में पहली बार इस अत्याधुनिक प्राइम स्कैन इकोसिस्टम ऑफ मशीन की सुविधा लोगों को मिलने जा रही है। इस मशीन के ज़रिये दाँतों का प्रभावी और सटीक इलाज किया जा सकता है।
- इसके अलावा जहाँ पहले दाँतों के इलाज में कई दिन लग जाते थे, वहीं अब इस मशीन के ज़रिये दाँतों से जुड़ी बीमारियों का पूरा इलाज बेहद कम समय में किया जा सकता है। लोगों को दाँतों के इलाज के लिये बार-बार डॉक्टरों और अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

ईएसएल के सीईओ ने किया सेफ्टी पार्क का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

- 18 जनवरी, 2022 को वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ एन.एल. वट्टे ने कर्मचारियों के बीच सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ईएसएल के औद्योगिक परिसर में एक नवनिर्मित 'सेफ्टी पार्क' का उद्घाटन किया। इसमें विभिन्न प्रकार के सुरक्षा उपकरण मॉडल शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर वट्टे ने कहा कि ईएसएल हमेशा अपने कर्मचारियों को एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करके तथा समाज के कल्याण और देश के समावेशी विकास में योगदान देकर अपने व्यावसायिक लक्ष्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखता है।
- उन्होंने कहा कि इस सुरक्षा पार्क की मदद से हम अपने कर्मचारियों को हर तरह की सुरक्षा के प्रति जागरूक कर 'शून्य नुकसान' के अपने लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

नोट :

- आने वाले दिनों में ESL का लक्ष्य सुरक्षा और पर्यावरण को बेहतर बनाना है। सभी नए कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों के लिये सुरक्षा प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया है। महत्त्वपूर्ण स्थानों पर सतर्कता के लिये एआई आधारित कैमरे और सेंसर उपकरण लगाए गए हैं।
- कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों के स्वास्थ्य जोखिमों की निगरानी की जा रही है, पीपीई बैंक की स्थापना कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों को पीपीई जारी करने के लिये की गई है।

झारखंड कैबिनेट के महत्त्वपूर्ण निर्णय

चर्चा में क्यों ?

- 19 जनवरी, 2022 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में राज्य के 136 आवासीय विद्यालयों के कक्षा-1 से 12 तक के 21 हज़ार छात्रों को मोबाइल टैब देने के प्रस्ताव को मंज़ूरी देने के साथ ही कुल 51 प्रस्तावों को मंज़ूरी दी गई।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड कैबिनेट ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अंतर्गत कुल 136 आवासीय विद्यालयों में कक्षा-1 से 12 तक के विद्यार्थियों को मोबाइल टैब देने का निर्णय लिया है। इस क्रम में 21 हज़ार छात्रों को यह सुविधा दी जाएगी।
- कोविड-19 के क्रम में आवासीय विद्यालय बंद रहने के कारण घर पर रहकर पठन-पाठन जारी रखने के लिए ये मोबाइल टैब काम आएंगे। कैबिनेट ने लगभग 26.25 करोड़ रुपये के लागात वाले इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।
- राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी का प्रसार हो, इसके लिये सरकारी स्कूलों की पहली से बारहवीं कक्षा तक के छात्रों के नोटबुक के पहले पन्ने पर सरकार की योजनाओं की जानकारी भी अंकित कराई जाएगी।
- कैबिनेट ने एक अन्य महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए पारा शिक्षकों से जुड़े झारखंड सहायक अध्यापक शिक्षक सेवा नियमावली को भी मंज़ूरी दे दी। पारा शिक्षक अब सहायक अध्यापक कहे जाएंगे। इस नियमावली के तहत 62878 पारा शिक्षकों की सेवा 60 साल तक निर्धारित की गई है। नियमित अंतराल पर परीक्षा आयोजित कर योग्यता के आधार पर मानदेय वृद्धि, अनुकंपा समेत अन्य लाभ दिए जाएंगे।
- कैबिनेट ने फैसला लिया है कि केंद्र प्रायोजित पोषाहार योजना में 6 से 36 माह के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, कुपोषित बच्चों को टेक होम योजना के तहत अब सामान्य चावल की बजाय फॉर्टिफाइड चावल का वितरण किया जाएगा।
- कई विभागों की सेवा बहाली संबंधी नियमावली में भी परिवर्तन को मंज़ूरी दी गई है। वहीं कारखानों में काम करने के दौरान सिल्कोसिस बीमारी से ग्रसित होने पर एक लाख व मौत होने पर आश्रित को चार लाख रुपए की राशि दी जाएगी।
- आयुर्वेदिक चिकित्सा पदाधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्रसीमा 60 से बढ़ाकर 65 साल की गई है।
- राज्य के सभी पंचायत भवन, नगर निकायों, वार्ड में आधार का परमानेंट इनरॉलमेंट सेंटर खुलेगा। राज्य सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी व ई गवर्नेंस विभाग ने इसके लिए सीएससीएसपीवी के साथ एमओयू को मंज़ूरी दी है।
- राज्य भर में भू-अभिलेखों की सुरक्षा के लिये आईटी एडवाइजरी सर्विस के तहत एनआईएसजी नाम की एजेंसी का चयन मनोनयन के आधार पर किया गया है।
- राज्य में शराब के राजस्व में बढ़ोतरी के लिए छतीसगढ़ राज्य मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के साथ राज्य सरकार एमओयू करेगी। राज्य के ब्रिवरेज कॉरपोरेशन के परामर्शी के तौर पर छतीसगढ़ की सरकारी एजेंसी का चयन किया गया है।
- अन्य प्रमुख योजनाओं को मिली मंज़ूरी-
  - नंदिनी जलाशय योजना के तहत मुख्य नहरों के अवशेष व पुनरुद्वार पर 56 करोड़ 7 लाख 64 हज़ार रुपए के खर्च को मंज़ूरी।
  - कांची सिचाई परियोजना के पुनरूद्वार के लिए 29 करोड़ 23 लाख 37 हज़ार रुपए की स्वीकृति।
  - आईटीआईएफ 27 के तहत 17 ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के लिए नाबार्ड से 185 करोड़ रुपए कर्ज़ लेने की मंज़ूरी।
  - टोकियो ओलंपिक में झारखंड से भारतीय हॉकी टीम में खेल रही निक्की प्रधान, सलिमा टेटे के पुरस्कार राशि की घटनोत्तर स्वीकृति, तीरंदाज़ दीपिका कुमारी, कोमोलिका बारी, अंकिता भगत व प्रशिक्षक पूर्णिमा महतो को दी गई ईनाम राशि की घटनोत्तर स्वीकृति।

- एक से तीन साल के बच्चों के फाउंडेशन लिटरेसी कार्यक्रम के लिए केयर इंडिया संस्था का मनोनयन।
- गोडन्न में पुलिसकर्मियों के लिए 58 करोड़ 1 लाख 80 हजार रुपए खर्च कर आवासीय कॉलोनी के निर्माण को मंजूरी।
- विधायक योजना के अंतर्गत विधायकों की अनुशंसा पर जलापूर्ति योजनाओं के लिये 50 लाख रुपए के खर्च को ऐच्छिक किया गया है।
- दुमका में मसलिया- राजेश्वर सिंचाई परियोजना के तहत भूमिगत सिंचाई पाइपलाइन लगाने में 1204 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी।

टाटा स्टील की उत्सर्जन कम करने के लिये 'दुनिया में अपनी तरह की पहली' सीबीएम इंजेक्शन पहल

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में टिकाऊ स्टील उत्पादन की ओर बढ़ने के अपने निरंतर प्रयासों के हिस्से के रूप में टाटा स्टील ने जमशेदपुर वर्क्स में एक ब्लास्ट फर्नेस (ई ब्लास्ट फर्नेस) में कोल बेड मीथेन (सीबीएम) गैस के निरंतर इंजेक्शन के लिये परीक्षण शुरू करने की पहल की है। यह दुनिया में ऐसा पहला उदाहरण है, जहाँ किसी स्टील कंपनी में सीबीएम को इंजेक्टेंट के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रक्रिया से कोक की दर 10 किग्रा/टीएचएम (टन हॉट मेटल) कम होने की उम्मीद है, जो कच्चे स्टील के प्रति टन 33 किग्रा. CO_2 को कम करने के बराबर होगी। परीक्षण अगले कुछ हफ्तों में होगा।
- सीबीएम इंजेक्शन की सुविधा के लिये ई ब्लास्ट फर्नेस में पूरे सिस्टम की तकनीक, डिज़ाइन और विकास टाटा स्टील की इन-हाउस टीम द्वारा किया गया है।
- टाटा स्टील के आयरन मेकिंग के वाइस प्रेसिडेंट उत्तम सिंह ने कहा कि स्टील को बड़े पैमाने पर डीकार्बोनाइज करने की तकनीक अभी तैयार नहीं है। टाटा स्टील ने डीकार्बोनाइजेशन के लिये नए और स्केलेबल समाधानों का पता लगाने हेतु पायलटों और परीक्षणों सहित विभिन्न प्रौद्योगिकी पहल की हैं।
- यह परीक्षण ब्लास्ट फर्नेस में प्रयुक्त कोक दर में कमी तथा उत्पादकता पर इसके प्रभाव की मात्रा का निर्धारण करने में मदद करेगा और हाइड्रोजन आधारित इंजेक्टरों के साथ ब्लास्ट फर्नेस के संचालन के बारे में उपयोगी अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। इससे अधिक हाइड्रोजन युक्त हरित ईंधन के साथ ब्लास्ट फर्नेस के भविष्य के टिकाऊ संचालन के लिये एक रूपरेखा तैयार करने में मदद मिलेगी।
- सीबीएम में मुख्य रूप से भूमिगत कोयला भंडारों से निकाली गई अन्य गैसों की ट्रेस मात्रा के साथ 98% मीथेन होती है। भारत सीबीएम के प्रचुर संसाधनों से संपन्न है, जिसका प्रमुख स्रोत देश का पूर्वी क्षेत्र है।
- यह परीक्षण इंजेक्शन उद्देश्यों के लिये सीबीएम के उपयोग का लाभ उठाने हेतु तार्किक और आर्थिक रूप से एक आशाजनक अवसर प्रदान करता है।
- टाटा स्टील प्रक्रिया में सुधार, कुशल कच्चे माल और संसाधन प्रबंधन, उप-उत्पादों के उच्च उपयोग, उत्पादों के जीवनचक्र आकलन आदि के माध्यम से उच्चतम पर्यावरणीय प्रदर्शन मानकों को प्राप्त करने के लिये लगातार सफल प्रौद्योगिकियों में निवेश कर रही है।
- संधारणीयता के कारण का नेतृत्व करते हुए, कंपनी ने हरियाणा में भारत का पहला स्टील रीसाइक्लिंग प्लांट चालू किया, तैयार स्टील के परिवहन के लिये इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग शुरू किया और जमशेदपुर में ब्लास्ट फर्नेस गैस से CO_2 कैप्चर के लिये भारत का पहला प्लांट स्थापित किया।

AISECT विश्वविद्यालय हज़ारीबाग का सर्वश्रेष्ठ निजी विश्वविद्यालय के रूप में सम्मानित

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) द्वारा ऑनलाइन एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड्स, 2022 की घोषणा की गई, जिसमें झारखंड के हज़ारीबाग के आइसेक्ट विश्वविद्यालय को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय के लिये चुना गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) द्वारा ऑनलाइन एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड्स, 2022 कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।
- कार्यक्रम में कोरोना काल में दूरस्थ क्षेत्रों में ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध कराने में आने वाली कठिनाइयों तथा वैकल्पिक माध्यमों से इसे सफल बनाने के पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।
- ऑनलाइन कार्यक्रम में आइसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मुनीश गोविंद ने कहा कि आइसेक्ट विश्वविद्यालय का उद्देश्य तकनीकी कौशल, पारंपरिक ज्ञान, मूल्यों आदि का विकास कर छात्रों को आधुनिक वातावरण के लिये तैयार करना है।
- उल्लेखनीय है कि ऑल इंडियन सोसाइटी फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर टेक्नोलॉजी (AISECT), अपनी मातृभाषा में ग्रामीण जन में कंप्यूटर साक्षरता और प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण के प्रसार की एक नई अवधारणा के साथ स्थापित किया गया था।
- यह वर्तमान में बीस हज़ार से अधिक केंद्रों के साथ आईसीटी सक्षम सेवाओं का अग्रणी राष्ट्रीय नेटवर्क है। इसमें भारत के 28 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेश शामिल हैं।
- AISECT द्वारा इसके लिये तीन विश्वविद्यालय स्थापित किये गए हैं- डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़), AISECT विश्वविद्यालय, पटना (बिहार) तथा AISECT विश्वविद्यालय, हजारीबाग (झारखंड)।

झारखंड की सविता कुमारी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 24 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में एक वर्चुअल समारोह में देश के 61 बच्चों को वर्ष 2021 एवं 2022 के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया, जिनमें झारखंड की सविता कुमारी भी शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस वर्ष के इन पुरस्कार विजेताओं में 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 15 लड़के और 14 लड़कियाँ शामिल हैं। ये बच्चे देश के सभी क्षेत्रों से नवाचार (7), सामाजिक सेवा (4), शैक्षिक (1), खेल (8), कला और संस्कृति (6) तथा वीरता (3) श्रेणियों में अपनी असाधारण उपलब्धियों के लिये चुने गए हैं।
- इसी प्रकार वर्ष 2021 के पुरस्कार विजेताओं में 21 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 32 बच्चे नवाचार (9), कला एवं संस्कृति (7), खेल (7), शैक्षिक (5), वीरता (3) तथा सामाजिक सेवा (1) श्रेणियों में चुने गए हैं।
- पीएमआरबीपी पुरस्कार विजेता हर साल गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेते हैं। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक पदक, एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार और एक प्रमाण-पत्र दिया जाता है।
- झारखंड की सविता कुमारी को खेल श्रेणी में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार- 2022 से सम्मानित किया गया।
- पीएमआरबीपी 2021 और 2022 के पुरस्कार विजेता अपने माता-पिता तथा अपने-अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट के साथ संबंधित जिला मुख्यालय से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।
- प्रधानमंत्री ने समारोह के दौरान राष्ट्रीय ब्लॉकचेन परियोजना के तहत आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित ब्लॉकचेन संचालित तकनीक का उपयोग करके पीएमआरबीपी 2021 और 2022 के 61 विजेताओं को डिजिटल प्रमाण-पत्र प्रदान किये।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 10 ज़िलों में 14 राईस मिल्स की आधारशिला रखी

चर्चा में क्यों ?

- 24 जनवरी, 2022 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में आयोजित Foundation stone laying of Rice Mills in different districts कार्यक्रम में प्रदेश के 10 ज़िलों में 14 राईस मिल्स की आधारशिला रखी।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने राज्य के गढ़वा, पलामू ,लातेहार, पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, धनबाद, बोकारो और गोडन्न ज़िलों में इन राईस मिल्स का शिलान्यास किया।
- पलामू ज़िला के कुर्मीपुर, सिमडेगा ज़िला के गरजा एवं हेठमा, खूंटी ज़िला के टिमड़ा एवं कालामाटी, गुमला ज़िला के कसीरा एवं कोनबीर, गढ़वा ज़िला के कुशमाही, लातेहार के जलता, पश्चिमी सिंहभूम ज़िला के चौनपुरखास एवं सियालजोड़ा, धनबाद ज़िला के देवियाना, बोकारो ज़िला के मिर्धा एवं गोडन्न ज़िला के गोवर्धनपुर में राईस मिल्स यूनिट्स का शिलान्यास किया गया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में राईस मिलों की कमी के कारण किसानों को उनकी उपज का पर्याप्त मूल्य नहीं मिल पाता था। राईस मिलों के खुलने से अब उन समस्याओं पर विराम लगेगा। नई और आधुनिक राईस मिल्स खुलने से राज्य के किसानों के साथ-साथ झारखंड की अर्थव्यवस्था को भी एक बड़ा सहयोग मिलेगा। राईस मिल्स के स्थापित होने से बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोज़गार के अवसर भी प्राप्त होंगे।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग पॉलिसी के तहत झारखंड इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा निवेशकों को रियायती दरों पर ज़मीन मुहैया कराई जा रही है। निवेशकों को राज्य में प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित करने के निमित्त राज्य सरकार कई प्रकार से उन्हें प्रोत्साहित कर रही है।

टाटा स्टील और झारखंड बैडमिंटन एसोसिएशन के बीच समझौता ज्ञापन

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में झारखंड में बैडमिंटन खेल की बढ़ती लोकप्रियता के बीच, हर घर में बैडमिंटन को शौक या पेशे के रूप में लेने के साथ, टाटा स्टील और झारखंड बैडमिंटन एसोसिएशन (जेबीए) ने संयुक्त रूप से राज्य में बैडमिंटन को बढ़ावा देने के लिये एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

प्रमुख बिंदु

- यह समझौता ज्ञापन टाटा स्टील और झारखंड बैडमिंटन एसोसिएशन के बीच सभी लंबित मुकदमों के निपटारे तथा समझौता करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।
- इस पहल को आगे बढ़ाने के लिये टाटा स्टील स्पोर्ट्स डिवीज़न बैडमिंटन डेवलपमेंट एंड एडवाइजरी कमेटी का गठन किया गया है। समिति टाटा स्टील के बैडमिंटन ट्रेनिंग सेंटर और मोहन आहूजा बैडमिंटन स्टेडियम में बैडमिंटन को खेल के रूप में विकसित करने के लिये काम करेगी।
- इसमें ज़िला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंटों के प्रशिक्षण तथा आयोजन के लिये सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास बुनियादी ढाँचा प्रदान करना भी शामिल है।
- ज्ञातव्य हो कि बैडमिंटन फुटबॉल के बाद दुनिया में सबसे अधिक खेला जाने वाला खेल है। शहर में इसकी लोकप्रियता कई गुना बढ़ गई है।

झारखंड के गिरधारी राम गोंझू को पद्म पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 25 जनवरी, 2022 को 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति ने वर्ष 2022 के लिये 128 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की, जिसमें झारखंड के गिरधारी राम गोंझू पद्मश्री के लिये चुने गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड के प्रख्यात साहित्यकार, शिक्षाविद् एवं संस्कृतिकर्मी डॉ. गिरिधारी राम गोंझू को मरणोपरांत साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान दिया जाएगा।
- डॉ.गोंझू हिन्दी और नागपुरी भाषा के जानकार थे तथा राँची विश्वविद्यालय के जनजातीय भाषा विभाग में प्राध्यापक रह चुके थे।
- सरल व मिलनसार स्वभाव वाले डॉ. गोंझू प्रभात खबर समाचार-पत्र द्वारा प्रकाशित माय माटी के नियमित लेखक भी रहे थे।
- पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मांन हैं, जिन्हें तीन श्रेणियों में प्रदान किया जाता है। इन तीन श्रेणियों में पद्म विभूषण, पद्मभूषण और पद्मश्री शामिल हैं। असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्मविभूषण', उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्मभूषण' और किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्मश्री' पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- ये पुरस्कार विभिन्न विषयों/क्षेत्रों अर्थात् कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान व इंजीनियरिंग, व्यापार एवं उद्योग, चिकित्सा, साहित्य व शिक्षा, खेल, सिविल सेवा, इत्यादि में प्रदान किये जाते हैं।
- इन पुरस्कारों की घोषणा राष्ट्रपति द्वारा हर वर्ष 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर की जाती है तथा आमतौर पर मार्च/अप्रैल में राष्ट्रपति भवन में आयोजित किये जाने वाले औपचारिक समारोहों में प्रदान किये जाते हैं।
- इस वर्ष राष्ट्रपति ने 128 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंज़ूरी दी है, जिनमें 2 जोड़ी पुरस्कार (किसी जोड़ी को दिये पुरस्कार की गणना एक पुरस्कार के रूप में की जाती है) भी शामिल हैं। इस सूची में 4 पद्मविभूषण, 17 पद्मभूषण और 107 पद्मश्री पुरस्कार शामिल हैं।
- पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वालों में 34 महिलाएँ हैं और इस सूची में 10 व्यक्ति विदेशी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई श्रेणी के अंतर्गत हैं तथा 13 व्यक्तियों को मरणोपरांत पुरस्कार दिया गया है।

नोट :